जनसंख्या अनुसंधान केंद्र

1. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्लू) ने राष्ट्रीय और राज्य स्तरों पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यक्रमों और नीतियों से संबंधित, महत्वपूर्ण अनुसंधान आधारित इनपुट प्रदान करने के लिए जनादेश के साथ जनसंख्या अनुसंधान केंद्रों (पीआरसी) का एक संघ स्थापित किया । ये पीआरसी परिवार नियोजन, जनसांख्यिकीय अनुसंधान और जैविक अध्ययन और जनसंख्या नियंत्रण के गुणात्मक पहलू से संबंधित अनुसंधान परियोजनाओं का उतरदायित्व लेने के लिए स्थापित किए गए थे, ताकि योजना निर्माण, रणनीतियों और चालू योजनाओं के संशोधनों के लिए इन शोध अध्ययनों से प्रतिक्रिया का लाभ उठाया जा सके। इन पीआरसी को साल–दर–साल में 100 प्रतिशत केंद्रीय सहायता को सहायता अनुदान के रूप में प्रदान किया जाता है।
2. वर्तमान में, भारत में 18 पीआरसी हैं, जिनमें से 12 विश्वविद्यालयों में स्थित हैं, जबकि 6 प्रख्यात संस्थानों में हैं, जो भारत के 16 प्रमुख राज्यों में फैले हुए हैं। पीआरसी को उनके स्टाफिंग पैटर्न के आधार पर 'पूरी तरह से विकसित' (प्रकार– I) और 'पूरी तरह से विकसित नहीं' (प्रकार– II) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। तदनुसार, इन 18 पीआरसी में से 9 को 'प्रकार – I पीआरसी' और शेष 9 को 'प्रकार- II' पीआरसी के रूप में उल्लेखित किया जाता है। पहला पीआरसी "आर्थिक विकास संस्थान", दिल्ली विश्वविद्यालय में 1958 में स्थापित किया गया था और अंतिम "डॉ एच एस गौर सेंट्रल यूनिवर्सिटी ", सागर 1999 में किया गया।

3. **जनसंख्या अनुसंधान केंद्रों का विवरण**

स्थापना वर्ष और प्रकारों के साथ सभी पीआरसी का विवरण इस प्रकार हैः

क्रं संख्या	केंद्र का नाम	विश्वविद्यालय / संस्थानकानामजहां केंद्र स्थित है	स्थापना वर्ष	प्रकार/टाइप
1	2	3	4	5
1	पीआरसी,दिल्ली	आर्थिक विकास संस्थान,दिल्ली	1958	प्रकार–I
2	पीआरसी, केरल	केरल विश्वविद्यालय,त्रिवेन्द्रम	1958	प्रकार–I
3	पीआरसी, धारवाड़	जेएसएस आर्थिक रिसर्च संस्थान, धारवाड़	1961	प्रकार–I
4	पीआरसी,गांधीग्राम	ग्रामीण स्वास्थ्य और परिवार कल्याण ट्रस्ट, गांधीग्राम(टीएन)	1961	प्रकार–I
5	पीआरसी, पुणे	गोखले राजनीति संस्थान और	1963	प्रकार–I

		अर्थशास्त्र, पुणे		
6	पीआरसी, पटना	पटना विश्वविद्यालय, पटना	1966	प्रकार–I
7	पीआरसी, लखनऊ	लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ	1966	प्रकार–I
8	पीआरसी, बड़ौदा	एमएस विश्वविद्यालय, बड़ौदा	1967	प्रकार–I
9	पीआरसी, बैंगलोर	सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान परिवर्तन, बैंगलोर	1972	प्रकार–I
10	पीआरसी, उदयपुर	उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर	1977	प्रकार–II
11	पीआरसी, विशाखापट्टनम	आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापट्टनम	1977	प्रकार–II
12	पीआरसी, गुवाहाटी	गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी	1977	प्रकार–II
13	पीआरसी,भुवनेश्वर	उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर	1977	प्रकार–II
14	पीआरसी, पंजाब यूनिवर्सिटी,चंडीगढ़	पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़	1978	प्रकार–II
15	पीआरसी, श्रीनगर	श्रीनगर विश्वविद्यालय (जे & के)	1985	प्रकार–II
16	पीआरसी, सीआरआरआईडी चंडीगढ़	ग्रामीण एवं औद्योगिक विकास के लिए अनुसंधान केंद्र (सीआरआरआईडी), चंडीगढ़	1986	प्रकार–II
17	पीआरसी, शिमला	हिमाचल विश्वविद्यालय, शिमला	1988	प्रकार–II
18	पीआरसी, सागर	डॉ हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर	1999	प्रकार–II

4. स्टाफ स्वरूप

4.1 एक पूर्ण विकसित (प्रकार- I) पीआरसी का स्टाफ स्वरूप

क्रं संख्या	पद का नाम	स्वीकृत पदों की संख्या
1	प्रोफ़ेसर	1
2	संयुक्त प्रोफेसर	1
3	सहायक प्रोफेसर	2

4	डोक्यूमेंटिस्ट / लाइब्रेरियन / सहायक लाइब्रेरियन	1
5	अनुसंधान अन्वेषक	4
6	क्षेत्र अन्वेषक	4
7	डेटा सहायक	4
8	कार्यालय अधीक्षक	1
9	आशुलिपिक / वरिष्ठ सहायक / सहायक	1
10	अपर डिविजन क्लर्क	1
11	लोअर डिविजन क्लर्क	1
12	चपरासी	1
13	चालक	1
14	रिसर्च फेलो (संविदात्मक)	2

4.2. पूरी तरह से विकसित नहीं (प्रकार- II) पीआरसी का स्टाफ स्वरूप

क्रं संख्या	पद का नाम	स्वीकृत पदों की संख्या
1	संयुक्त प्रोफेसर	1
2	सहायक प्रोफेसर	1
3	अनुसंधान अन्वेषक	2
4	क्षेत्र अन्वेषक	2
5	अपर डिविजन क्लर्क	1
6	लोअर डिविजन क्लर्क/टाइपिस्ट	1
7	चपरासी	1
8	रिसर्च फेलो (संविदात्मक)	2

5 पीआरसी का कार्य

पीआरसी की गतिविधियों की निगरानी स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा नियमित आवधिक प्रगति रिपोर्ट और बैठक, संगोष्ठी आदि के माध्यम से की जाती है। इसके अलावा, विभिन्न संस्थानों द्वारा मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाता है।

5.1 पीआरसी के लिए दिशानिर्देश

प्रशासनिक रूप से, ये पीआरसी अपने मेजबान विश्वविद्यालय / संस्थानों के नियंत्रण में हैं जहां वे स्थित हैं। हालाँकि, चूंकि पीआरसी स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा स्थापित एवं पूरी तरह से निधिबद्ध हैं, वे समय–समय पर मंत्रालय द्वारा जारी दिशा–निर्देशों द्वारा शासित होते हैं।ये दिशानिर्देश विभिन्न पदों को भरने और अन्य विवरणों के लिए स्टाफिंग पैटर्न, योग्यता की

स्थिति प्रदान करते हैं। वर्तमान में, वे एमओएचएफडब्लू के पत्र क्रमांक W.11011 / 33/2011-Stats (PRC) दिनांक 14th March, 2012 द्वारा जारी पीआरसी की संशोधित दिशा निर्देशों द्वारा शासित हैं।

5.2 पीआरसी की वार्षिक कार्य योजना

हर साल पीआरसी की वार्षिक कार्य योजना बैठक आयोजित की जाती है, जिसमें सभी पीआरसी आगामी वर्ष के लिए अपनी वार्षिक कार्य योजना प्रस्तुत करते हैं और वर्तमान वर्ष के दौरान उनके द्वारा की गई गतिविधियों को भी प्रस्तुत करते हैं। ये बैठकें देश के विभिन्न स्थानों पर आयोजित की जाती हैं।

6 पीआरसी समिति

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) को अप्रैल 2005 में स्वास्थ्य प्रणाली और लोगों की स्वास्थ्य स्थिति में सुधार लाने के उद्देश्य से शुरू किया गया था, खासकर उन लोगों के लिए जो देश के ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं। 5 जून, 2012 को जनसंख्या अनुसंधान केंद्र (पीआरसी), क्षेत्रीय निदेशकों और क्षेत्रीय मूल्यांकन टीमों (आरइटी) के साथ अतिरिक्त सचिव और मिशन निदेशक (एनआरएचएम) की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें राज्य कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के महत्वपूर्ण घटकों की गुणवत्ता की निगरानी में पीआरसी की भूमिका और उपयोग पर चर्चा की गई थी। उपरोक्त कार्य करने के लिए और पीआरसी से अपेक्षित कार्य का विवरण तैयार करने के लिए, 2013–14 के दौरान जेएस (नीति) की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया था और पीआरसी के लिए एक व्यवस्थित कार्य योजना तैयार करने पर सिफारिश हेतु "पीआरसी समिति की रिपोर्ट" प्रस्तुत की गई थी।

7 आरंभ से, पीआरसी मुख्य रूप से राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यक्रमों और नीतियों से संबंधित अनुसंधान और अध्ययनों में शामिल रहे हैं। कुछ पीआरसी अंतर्राष्ट्रीय स्तर की परियोजनाओं और कार्यों को भी ग्रहण कर रहे हैं। उनके प्रदर्शन की गुणवत्ता पीआरसी से पीआरसी में काफी हद तक बदल जाती होती है। 2013-14 से, पीआरसी अपने शोध कार्यों के अलावा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत राज्य कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) की निगरानी में शामिल हुए हैं।

8 वे अक्टूबर 2008 में शुरू किए गए स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) के गुणवत्ता मूल्यांकन में भी शामिल हैं, जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य क्षेत्र से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण संकेतकों पर जानकारी एकत्र करना है। पीआरसी फील्ड विज़िट, डेटा विश्लेषण के माध्यम से एचएमआईएस की डेटा गुणवत्ता की जांच करते हैं और राज्यों को अपने निष्कर्ष देते हैं।

9 वर्ष 2019–20 के दौरान, पीआरसी स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों (एचडब्लूसी), लक्ष्य, कायाकल्प, राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों (एनक्यूएएस), होम बेस्ड न्यूबोर्न केयर (एचबीएनसी), गैर–संचारी रोग (एनसीडी) और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम (एनवीएचसीपी) जैसे एनएचएम की विभिन्न प्रमुख योजनाओं की निगरानी और मूल्यांकन से संबंधित शोध अध्ययनों में भी शामिल हुए हैं।

10 पिछले 5 वर्षों के दौरान पीआरसी का प्रदर्शन

वर्ष	**कुल शोध अध्ययन (पीआईपी के अलावा)**	**पीआईपी निगरानी के तहत कवर किए गए जिलों की संख्या**
2015-16	92	198
2016-17	98	186
2017-18	80	184
2018-19	82	177
2019-20*	43	492

* कुल 43 शोध अध्ययन और पीआईपी निगरानी के लिए 492 जिले वर्ष 2019-20 के लिए आवंटित किए गए हैं जिनका कार्य अभी प्रगति पर है।